राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
8, अरेरा हिल्स, भोपाल, मध्यप्रदेश

क्रमांक/एन.एच.एम./आशा/2017/16516 भोपाल, दिनांक 11/04/2017

प्रति,

1. समस्त जिला कम्यूनिटी मोबीलाईजर
   मध्यप्रदेश
2. समस्त विकासखण्ड कम्यूनिटी मोबीलाईजर
   मध्यप्रदेश

विषयः वित्तीय वर्ष 2017–18 में आयोजित की जाने वाली दस्तक अभियान प्रथम चरण के लिये आशाओं के उन्मुखीकरण हेतु आशा सपोर्ट सिस्टम के सहयोग के संबंध में।

****

विषयांतर्गत लेख है कि दिनांक 16–30 नवम्बर 2016 के मध्य, प्रदेश के **चिन्हित 168 विकासखण्डों में 5 वर्ष तक के बच्चों के लिये निहित स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं का घर–घर तक विस्तार सुनिश्चित करने हेतु दस्तक अभियान का संचालन किया गया।** दस्तक अभियान के सकारात्मक परिणामों के फलःस्वरूप बच्चों में होने वाली प्रमुख समस्याओं के सक्रिय पहचान आधारित इस गतिविधि का विस्तार समूचे प्रदेश में वर्ष में दो बार यथा माह जून (बाल्यकालीन दस्त रोग व मलेरिया बाहुल्य माह) एवं दिसम्बर (बाल्यकालीन निमोनिया बाहुल्य माह) में आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया है जिसके तहत 51 जिलों के 56 हजार ग्रामों तक स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं की पहुँच बनाई जायेगी।

उद्देश्य :–

5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में प्रमुख बाल्यकालीन बिमारियों की सामुदायिक स्तर पर सक्रिय पहचान द्वारा त्वरित प्रबंधन ताकि बाल मृत्यु दर में वांछित कमी लाई जा सके।

दस्तक अभियान गतिविधियां–

1. **5 वर्ष से कम उम्र के गंभीर कुपोषित बच्चों की सक्रिय पहचान, (Active Case finding) रेफरल एवं प्रबंधन।**
2. **6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों में गंभीर एनीमिया की सक्रिय स्क्रीनिंग एवं प्रबंधन।**
3. **9 माह से 5 वर्ष तक के समस्त बच्चों को विटामिन ए अनुपूरण।**
4. **5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में बाल्यकालीन निमोनिया की त्वरित पहचान, प्रबंधन एवं रेफरल।**
5. **5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में बाल्यकालीन दस्त रोग के नियंत्रण हेतु ओ.आर.एस. के उपयोग संबंधी सामुदायिक जागरूकता में बढ़ावा एवं प्रत्येक घर में गृहभेंट के दौरान ओ.आर.एस. पहुँचाना।**
6. **समूचित शिशु एवं बाल आहारपूर्ति संबंधी समझाईश समुदाय को देना।**
7. **एस.एम.सी.यू एवं एन.आर.सी से छुट्टी प्राप्त बच्चों में बीमारी की स्क्रीनिंग तथा फॉलो–अप को प्रोत्साहन।**
8. **बच्चों में दिखाई देने वाली जन्मजात विकृतियों की पहचान।**
9. **14 NIDDCP जिलों में घरेलू नमक में आयोडीन पर्याप्तता की जांच एवं आयोडीन अल्पता से बच्चों में होने वाले विकारों के संबंध में सामुदायिक जागरूकता।**
10. **समुदाय में अभियान के दौरान बीमार बच्चों का मूलभूत प्रबंधन।**

वर्ष 2017–18 में आयोजित की जाने वाली दस्तक अभियान–प्रथम चरण का आयोजन दिनांक 15 जून– 15 जुलाई 2017 के मध्य किया जाना है जिसके लिये टैग लाईन– ***'बाल सुरक्षा के लिए सेहत की दस्तक, घर–घर तक'*** **निर्धारित की गई है।** दस्तक अभियान के क्रियान्वयन हेतु नोडल अधिकारी, जिला टीकाकरण अधिकारी रहेंगे जो कि जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नेतृत्व में जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला मॉनीटरिंग एण्ड ईवेल्यूएशन अधिकारी, जिला कम्यूनिटी मोबीलाईजर, 17 उच्च प्राथमिकता जिलों में पदस्थ आर.एम.एन.सी.एच.ए. सलाहकार के समन्वय से कार्यक्रम पूर्व सूक्ष्म कार्ययोजना एवं क्रियान्वयन की रणनीति तय करने हेतु उत्तरदायी होंगे। इस कार्य में डोनर पार्टनर संस्थान जैसे यूनिसेफ, क्लिंटन हेल्थ एक्सेस इनिशिएटिव, एम.आई. आदि के सलाहकार आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे।

दस्तक अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु आशा कार्यकर्ता की निम्नानुसार भूमिका एवं जिम्मेदारियां निर्धारित है :–

1. दस्तक अभियान के संबंध में अभियान पूर्व ग्राम में सघन प्रचार द्वारा सामुदायिक जागरूकता बढ़ाना।
2. महिला स्वास्थ्य शिविर के दौरान 5 वर्ष से छोटे बच्चों के चिन्हित घरों में दस्तक दल को सक्रिय स्क्रीनिंग गतिविधि हेतु ले जाना।
3. अभियान के दौरान ए.एन.एम. की मदद से भेंट किये गये घरों पर घर क्रमांक/दस्तक/नंबर गेरू, नील अथवा चॉक से चिन्हांकित करना।
4. बच्चों की हिमोग्लोबिन जांच हेतु ए.एन.एम. का सहयोग करना।